अनुक्रमणिका

अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
अनुशंसा	एक
प्रमाणपत्र	दो
प्रख्यापन	तीन
प्राक्कथन	चार
ऋणनिर्देश	ग्यारह
अनुक्रमणिका	पंद्रह
प्रथम अध्याय : हिंदी के जीवनीपरक उपन्यास : स्वरूप और विवेचन	1-24
विषय प्रवेश	01
1.1 जीवनीपरक उपन्यास : स्वरूप एवं परिभाषा -	02
1.1.1 जीवनी	02
1.1.2 उपन्यास	03
1.1.3 जीवनीपरक उपन्यास	05
1.2 जीवनीपरक उपन्यास : उद्‌भव और विकास-	06
1.2.1 जीवनी साहित्य का विकास	06
अ) भारतेंदु युगीन जीवनियाँ	06
ब) द्‌विवेदी युगीन जीवनियाँ	07
क) द्‌विवेदी कालोत्तर जीवनियाँ	07
1.2.2 चरित्रप्रधान उपन्यासों का विकास	07
1.2.3 जीवनीपरक उपन्यासों का आरंभ	08
1.2.4 जीवनीपरक उपन्यासों का विकास	09
1.3 जीवनीपरक उपन्यास के तत्त्व	11
1.3.1 कथावस्तु	11

अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
1.3.2 पात्र एवं चरित्र-चित्रण	12
1.3.3 कथोपकथन / संवाद	12
1.3.4 देश-काल-वातावरण	13
1.3.5 भाषा एवं शैली	13
1.3.6 उद्देश्य	14
1.4 जीवनीपरक उपन्यासों की विशेषताएँ	15
1.5 हिंदी के महत्त्वपूर्ण जीवनीपरक उपन्यास	16
निष्कर्ष	24
द्वितीय अध्याय : जीवनीपरक उपन्यासकार 'डॉ. राजेंद्र मोहन भटनागर' : व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व	**25-38**
विषय प्रवेश -	25
2.1 व्यक्तित्त्व	25
2.1.1 स्थूल जीवन रेखाएँ	25
2.1.2 व्यक्तित्त्व की विशेषताएँ	27
2.2 कृतित्त्व	28
2.2.1 उपन्यास	29
2.2.2 शैक्षिक उपन्यास	31
2.2.3 सामाजिक उपन्यास	31
2.2.4 राजनीतिक उपन्यास	32
2.2.5 कहानी संकलन	32
2.2.6 ऐतिहासिक नाटक	33
2.3.7 अन्य नाटक	33
2.3.8 आलोचना साहित्य	33
2.3.9 विचार साहित्य	34

अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
2.2.10 बाल साहित्य	34
2.2.11 काव्य साहित्य	35
2.2.12 संपादन	35
2.2.13 अनुवाद	35
2.2.14 अन्य	35
2.2.15 अंग्रेजी साहित्य	35
2.3 पुरस्कार	36
निष्कर्ष ।	36
तृतीय अध्याय : जीवनीपरक उपन्यास 'विवेकानन्द' की कथावस्तु	**39-48**
विषय प्रवेश	39
3.1 कथावस्तु : अर्थ एवं परिभाषा	39
3.2 कथावस्तु विभाजन	40
अ) कथानक	40
1) अधिकारिक कथा	40
2) प्रासंगिक कथा	40
ब) विषयवस्तु	41
3.3 'विवेकानन्द' उपन्यास की कथावस्तु	41
निष्कर्ष।	48
चतुर्थ अध्याय : जीवनीपरक उपन्यास 'विवेकानन्द' में जीवनमूल्य	**49-68**
विषय प्रवेश	49
4.1 जीवनमूल्य : स्वरूप एवं व्याप्ति	50
4.1.1 स्वरूप	50

अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
4.1.2 व्याप्ति	51
क) वैयक्तिक जीवनमूल्य	51
ख) समष्टिगत जीवनमूल्य	52
ग) आध्यात्मिक जीवनमूल्य	52
घ) भौतिक जीवनमूल्य	52
च) नैतिक जीवनमूल्य	53
छ) सौंदर्यमूलक जीवनमूल्य	53
4.2 जीवनमूल्यों का महत्त्व	53
अ) व्यक्ति का विकास एवं नैतिकता की स्थापना	54
आ) समाज की समृद्धि एवं विकास	55
इ) संस्कृति रक्षण एवं संवर्धन	55
ई) धर्म की स्थापना एवं अनुशीलन	56
उ) आत्मानुभूति	56
4.3 'विवेकानन्द' उपन्यास में जीवनमूल्य	58
4.3.1 स्वाभिमान	58
4.3.2 सर्जनशीलता एवंम् श्रमप्रतिष्ठा	59
4.3.3 विवेक बुद्धि	60
4.3.4 सर्वधर्म सहिष्णुता	61
4.3.5 साहस एवं भयरहित जीवन	61
4.3.6 त्याग और समर्पण	62
4.3.7 वैज्ञानिक दृष्टिकोन	63
4.3.8 समदर्शन	64
4.3.9 सेवावृत्ति	65
4.3.10 निष्कामवृत्ति	65
निष्कर्ष ।	66

अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
पंचम अध्याय : जीवनीपरक उपन्यास 'विवेकानन्द' में संस्कृति दर्शन	69-82
विषय प्रवेश	69
5.1 संस्कृति का स्वरूप एवं व्याप्ति	69
5.1.1 स्वरूप	69
अ) अर्थ	69
ब) परिभाषा	70
5.1.2 व्याप्ति	72
5.2 संस्कृति का महत्त्व	73
5.3 'विवेकानन्द' उपन्यास में संस्कृति दर्शन	75
5.3.1 भारतीय संस्कृति	75
5.3.2 विदेशी संस्कृति	80
निष्कर्ष	81
षष्ठ अध्याय : जीवनीपरक उपन्यास 'विवेकानन्द' में दार्शनिकता	83-99
विषय प्रवेश	83
6.1 दर्शन का स्वरूप	83
6.1.1 अर्थ	84
6.1.2 परिभाषा	84
6.2 दार्शनिकता का महत्त्व	87
6.2.1 व्यक्ति का आत्मिक विकास	87
6.2.2 धर्म को परिष्कृत एवं समयानुरूप बनाना	88
6.2.3 विश्वशांति तथा धार्मिक एवं सांप्रदायिक सौहार्द	89
6.2.4 राजनीतिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र का उन्नयन	89
6.2.5 विज्ञान-तंत्रज्ञान से मानव कल्याण	90

अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
6.3 'विवेकानन्द' उपन्यास में दार्शनिकता	92
6.3.1 भक्ति और सेवावृत्ति	92
6.3.2 त्याग एवं समर्पण	93
6.3.3 साहस, निड़रता एवं अक्षयानंद	94
6.3.4 साधना पद्धति एवं साधन	95
6.3.5 समाधि अवस्था	96
6.3.6 प्रेम और शांति	97
निष्कर्ष	97
उपसंहार ।	101-105
विषय प्रवेश	101
अ) शोध कार्य का सारांश	101
ब) शोधकार्य की प्रमुख उपलब्धियाँ	103
कथाशिल्पी बहुआयामी साहित्यकार 'डॉ. राजेंद्र मोहन भटनागर' जी से साक्षात्कार	107-112
संदर्भ ग्रंथ सूची।	113-117
क) उपजीव्य ग्रंथ	113
ख) सहायक संदर्भ ग्रंथ (हिंदी)	113
ग) सहायक कोश ग्रंथ (हिंदी)	115
घ) सहायक संदर्भ ग्रंथ (अंग्रेजी)	116
च) सहायक संदर्भ ग्रंथ (मराठी)	116
छ) पत्र-पत्रिकाएँ	117

राजेन्द्र मोहन भटनागर

विवेकानन्द

जीवनीपरक उपन्यास

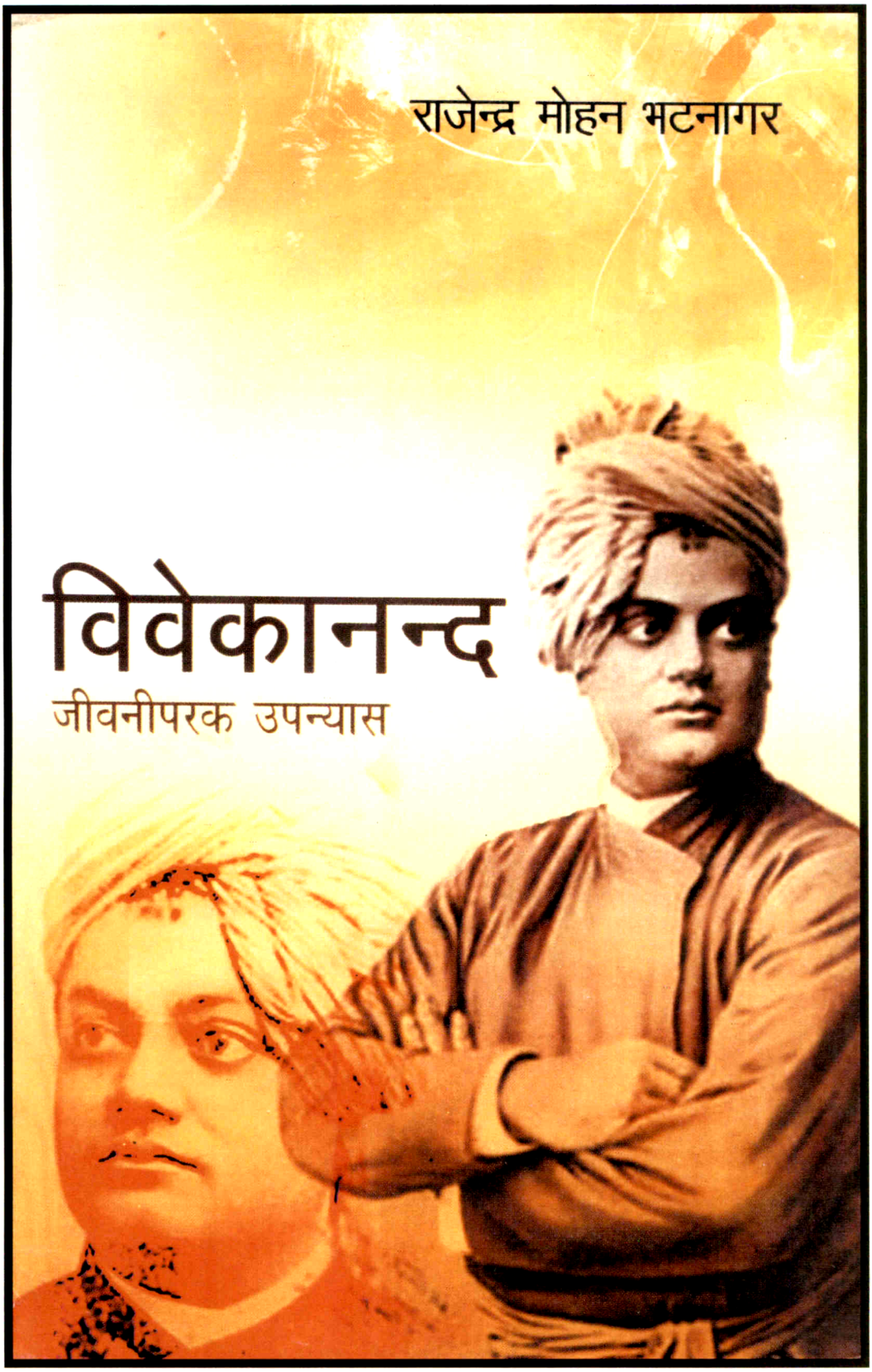

BARR. BALASAHEB KHARDEKAR LIBRARY
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.